केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 276 मंगलवार 30 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

दहेज हत्या मामले की जांच शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोनहा थाना क्षेत्र के भीवापार में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इसी थाने के नौवागांव निवासी पहलू चौहान ने सोनहा पुलिस को तहरीर देकर बेटी को दहेज के लिए मार डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी पुत्री प्रमिला देवी की शादी करीब दस साल पहले भीवापार निवासी पाटन चौहान के साथ की थी। उसकी दो बेटियां हैं। आरोप है कि ससुराल वाले बेटी को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। बेटी को घर से निकालने की तैयारी कर रहे थे।

इसी बीच गत 25 अप्रैल को देर बेटी का शव उसके कमरे में छत की कुंडी से साड़ी की सहारे लटकता मिला। हम लोगों को सूचना दिए कि आपकी बेटी की तबीयत बहुत खराब है। जल्दी आ जाओ। प्रकरण की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। उन्होंने ससुरालियों पर गला दबाकर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है।

बस्ती पहुंचे व्यय प्रेक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक आर०एल० अरूण प्रसाद आई०आर०एस० का आगमन जनपद में हो गया है। उक्त जानकारी देते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने बताया कि वर्तमान में इनका आवास सर्किट हाउस में है, जिनका मोबाइल नम्बर 6392589563 तथा टेलीफोन नं० 05542–297844 है। उन्होने बताया है कि सभी राजनैतिक दल एवं जनप्रतिनिधि चुनावी व्यय/समस्याओं के सम्बन्ध में व्यय प्रेक्षक महोदय से आगामी 06 मई 2024 से सर्किट हाउस के मीटिंग सभागार में अपराह्न 04.00 बजे से सायं 06.00 बजे तक मिल सकते है।

मतदान प्रतिशत बढाने के लिये मेंहदी प्रतियोगिता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा स्वीप जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के बीच मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित किया गया और उत्कृष्ट मेहंदी को विद्यालय स्तर पर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार ने कहा कि चुनाव तिथि 25 मई तक लगातार बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शेड्यूल के अनुसार विभिन्न दिनों में अलग–अलग जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर वोटिंग के लिए मतदाताओं को प्रेरित किया जाएगा। समस्त एआरपी, शिक्षक संकुल के माध्यम से प्रतियोगिता में सम्मिलित बच्चों का डॉक्यूमेंटेशन किया गया।

मेहंदी प्रतियोगिता में विभिन्न विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय जोगिया, राजकीय आदर्श विद्यालय नगर क्षेत्र, सम्मेलन विद्यालय अहरा, प्राथमिक विद्यालय पुलिस लाइन, कंपोजिट विद्यालय पडरी द्वितीय, उच्च प्राथमिक विद्यालय गोठवा, प्राथमिक विद्यालय कोठेली, किशनपुर बरहटा बकानिया दीप सहित तमाम विद्यालयों में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई और मतदान के लिए जन जागरण को जागरूक किया गया।

स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत एसआरजी आशीष कुमार श्रीवास्तव, अंगद प्रसाद पांडे, एआरपी राकेश पांडेय, जयप्रकाश श्रीवास्तव, जिला स्काउट कुलदीप सिंह, दिव्यांशु त्रिपाठी ने सहयोग प्रदान करते हुए क्रियान्वयन तथा सूचना संकलन मे योगदान दिया।

प्रज्वल रेवन्ना सेक्स स्कैंडल मामलाः पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा का पोता विदेश फरार

नई दिल्ली (आभा)। पूर्व प्रधानमंत्री और जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवगौड़ा का परिवार यौन उत्पीड़न के मामले में फंस गया है। देवगौड़ा के सांसद पोते प्रज्वल रेवन्ना को तो देश ही छोड़ना पड़ गया। देवगौड़ा परिवार की ही कुक ने देवगौड़ा के विधायक बेटे एचडी रेवन्ना और सांसद पोते प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज करवाया है। रेवन्ना का वीडियो भी अश्लील वीडियो वायरल हुआ था जिसमें वह कई महिलाओं का यौन उत्पीड़न करते दिखाई दे रहे हैं। इस मामले में प्रज्वल रेवन्ना का कहना है कि सारे वीडियो फर्जी हैं और उनके परिवार को बदनाम करने की साजिश की जा रही है।

26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के बाद प्रज्वल रेवन्ना के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो ने लगे। इसके बाद कर्नाटक सरकार ने एक स्पेशल इन्वेस्टगेशन टीम बना दी। अब सवाल उठता है कि आखिर प्रज्वल रेवन्ना पर आरोप क्या हैं। आरोप है कि सांसद रेवन्ना ने खुद ही अश्लील वीडियो शूट करवाए थे। बता दें कि वीडियो वायरल होने के बाद रेवन्ना देश छोड़कर जर्मनी चले गए हैं।

रेवन्ना की महिला कुक ने पुलिस के पास एफआईआर दर्ज करवाई और कहा कि कई 2019 से 2022 के बीच उसका कई बार यौन शोषण किया गया है। उसने यह भी कहा कि रेवन्ना ने उसकी बेटी के साथ भी गलत व्यवहार किया और वीडियो कॉल करके अश्लील बातें कीं। वहीं होलनरसीपुरा से 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार रहे देवराज गौड़ा का कहना है कि उनको एक ऐसी पेनड्राइव मिली थी जिसमें 2976वीडियो हैं। इसमें कुछ महिला अधिकारियों के भी वीडियो शामिल हैं। इन वीडियो का इस्तेमाल इस खेल को जारी रखने और लोगों को ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता था।

बता दें कि इस बार भी प्रज्वल हासन लोकसभा सीट से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी हैं। 26 अप्रैल को ही इस सीट पर वोटिंग हो चुकी है। रेवन्ना ने भी एक शिकायत दर्ज करवाई है जिसमें दावा किया गया है कि वोटरों को बदलने और उनको बदनाम करने के लिए फर्जी वीडियो चलाए जा रहे हैं। वहीं यह मामला राजनीति के गलियारों में दम भर रहा है। भाजपा ने प्रज्वल रेवन्ना के इस विवाद से दूरी बना ली है। राज्य में भाजपा के प्रवक्ता एस प्रकाश ने कहा, हम वीडियो को लेकर कुछ नहीं कर सकते। राज्य सरकार ने एसआईटी बनाई है।

प्रज्वल रेवन्ना के चाचा एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि थोड़ा इंतजार करिए, सच सामने आ जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने भी अपराध किया है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। वहीं कांग्रेस का कहना है कि भाजपा ने प्रज्वल रेवन्ना को देश छोड़कर भागने में मदद की है।

पत्नी नकदी, जेवर लेकर फरार, पति ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कलवारी थाना क्षेत्र के सिंगही निवासी जितेन्द्र पुत्र जसकरन ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में जितेन्द्र ने कहा है कि 5 वर्ष पूर्व उसका विवाह संतकबीर नगर जनपद के धनघटा थाना क्षेत्र के किशुनपुर निवासी आशा पुत्री पराग के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हुआ था। वह महाराष्ट्र के पुणे में मेहनत मजदूरी करता है। गत 17 अप्रैल 0024 को उसकी पत्नी आशा बिना कुछ बताये 76 हजार रूपया नकद और जेवर, गहना लेकर अपने भाभी के भाई के साथ मायके चली गई।

पत्र में जितेन्द ने कहा है कि जब वह अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया तो पत्नी को भेजने से मना कर दिया और जान से मारने की धमकी दिया। मोबाइल पर फोन भी नहीं उठाया जाता। जितेन्द ने आशंका व्यक्त किया है कि उसके साथ कोई भी अनहोनी हो सकती है और उसे किसी षड़यंत्र में फंसाया जा सकता है। उसने मामले में मुकदमा पंजीकृत कराकर अपने जान माल की रक्षा और पत्नी आशा के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

निर्दलीय चुनाव मैंदान में उतरेंगे ठाकुर प्रेम नन्दबंशी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान के लिए सोमवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने सोमवार को संविधान की किताब हाथ में लेकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र खरीदा। बताया कि वे 3 मई शुक्रवार को सादगी के साथ नामांकन दाखिल करेंगे।

ठाकुर प्रेम नन्दबंशी ने बताया कि लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिये वे चुनाव मैंदान में हैं। देश के गरीब, कमजोर वर्ग को जगाने, उन्हें लोकतंत्र का महत्व समझाने और अपनी ताकत पहचानने का संदेश लेकर वे बस्ती लोकसभा 61 के गांव गांव जायेंगे और जन सहयोग से चुनाव लड़ेंगे।

नामांकन पत्र लेते समय ठाकुर प्रेम नन्दबंशी के साथ ओंकार शर्मा, आलोक ठाकुर, शोभाराम ठाकुर, रामकिशोर ठाकुर आदि कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नामांकन कक्ष के निकट उपस्थित रहे।

जयन्ती पर याद किये गये पृथ्वीराज चौहान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को आम जनता पार्टी 'सोशलिस्ट' द्वारा सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती विधानसभा कप्तानगंज के भैंसा चौबे पकरडिहवां गांव में उल्लास पूर्वक मनाया गया। नैतिक चौहान के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान का जन्म 1149 को गुजरात में हुआ था। जो भारत वर्ष के आखिरी हिदू शासक रहे। 11 वर्ष की उम्र में पिता के देहांत के बाद दिल्ली और अजमेर के शासक बने। इनके पिता का नाम सोमेश्वर, माता का नाम कर्पूर देवी तथा गुरु रामजी थे। बचपन से इन्होंने शस्त्र और शास्त्र दोनों विद्या में अपनी निपुणता हासिल की। इनके वीरता की कहानी दूर–दूर तक प्रसिद्ध थी। मोहम्मद गोरी अपने साम्राज्य के विस्तार में पृथ्वीराज चौहान को बाधक मानता था। जिससे उसने 16 बार युद्ध किया, परंतु उसकी हार हुई।

विशिष्ट अतिथि के रूप में आम जनता पार्टी ' सोशलिस्ट' के जिलाध्यक्ष रमेश चौहान ने कहा कि देश के अंतिम हिन्दू सम्राट को सम्मान दिए बिना देश व प्रदेश को अच्छे मुकाम तक नही पहुंचाया जा सकता। समाज हित में एक कठोर निर्णय लेने का समय आ गया है। उन्होने कहा कि चौहान समाज के समान सम्मान और उत्थान के लिए किसी भी सरकार ने उचित कदम नही उठाया। नई पीढी तक पृथ्वीराज चौहान का योगदान पहुंचाये जाने की जरूरत है जिससे वे ऐसे महापुरूष के योगदान के रूप में परिचित हो।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धर्मेंद्र सिंह चौहान , मोहनलाल चौहान , सुभाष चौहान, अमरजीत चौहान, राज चौहान, विशाल चौहान, ग्राम प्रधान राम जनक यादव, राकेश मदन, सूर्यभान, रमेश, राम तेज, गोविंद, रतीभान, सुभावती, छोटका, हौसला, पूजा, उमा, सुमित्रा आदि उपस्थित रहे।

तीन बार होगा प्रत्याशियों के रजिस्टर का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन– 2024 के व्यय प्रेक्षक आर. एल. अरूण प्रसाद ने कहा है कि चुनाव व्यय प्रकिया सम्बंधी किसी भी शंका या भ्रम की स्थिति नहीं बननी चाहिए और किसी भी समस्या के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय सम्बंधित अधिकारी सम्पर्क कर सकते हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित चुनाव व्यय अनुश्रवण सम्बंधी टीम के अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होने कहा की हम सभी एक दुसरे के सहयोग से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन करायेंगे।

उन्होने कहा कि चुनाव के प्रत्याशियों का शैड़ों रजिस्टर मेनटेन किया जायेंगा तथा पूरे निर्वाचन के दौरान तीन बार प्रत्याशियों के रजिस्टर का निरीक्षण किया जायेंगा। इसमें किसी प्रकार का अन्तर पाये जाने पर प्रत्याशी को नोटिस दी जायेंगी। वीडियों सर्विलांस टीम बड़ी रैलियों में सावधानीपूर्वक वीडियोंग्राफी करेंगी, जिसके आधार पर उसका व्यय निर्धारित किया जायेंगा। उन्होंने कहा कि व्यय का हिसाब करने में संख्या का बहुत सतर्कता से ध्यान रखा जाए, किसी तरह का मिसमैच नहीं होना चाहिए, न ही किसी प्रकार का बदलाव हों। उन्होने कहा कि बिना अनुमति के किसी भी प्रकार का झण्डा गाड़ियों में ना लगाया जाय तथा रैली में एक साथ 10 से अधिक वाहन नही चलेंगे यदि 10 से अधिक वाहन है तो गाड़ियों के बीच कम से कम 100 मीटर का फासला जरूर रखें।

उन्होने कहा कि प्रत्याशी को बैंक में नया करेन्ट एकाउण्ट खोलना होंगा और इससे लेनदेन करके ही निर्वाचन के सभी प्रकार के व्यय किए जायेंगे। निर्वाचन संबंधी सभी बैनर, पोस्टर, पम्पलेट, लिफलेट में प्रिन्टर का नाम, पता छपा होना चाहिएं। जॉच के दौरान 10 लाख से अधिक रूपया पाये जाने पर नोडल अधिकारी के साथ–साथ इनकम टैक्स आफीसर को भी जानकारी दें।

बैठक में समस्त सहायक व्यय प्रेक्षक, लेखा टीम, वीडियों सर्विलांस टीम, वीडियों अवलोकन टीम, नोडल अधिकारी कंट्रोल रूम, नोडल अधिकारी इन्फोर्समेन्ट टीम के अधिकारी उपस्थित रहें। इसमें एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र, अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, मुख्य कोषाधिकारी अशोक कुमार प्रजापति, एआरटीओ पंकज कुमार, एलडीएम आर.एन. मौर्या सहित निर्वाचन सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका, प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने नाम वापस लिया

भोपाल (आभा)। सूरत के बाद रविवार को मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने अपना नामांकन वापस ले लिया।

अक्षय कांति बम के नाम वापस लेने और भाजपा में शामिल होने की खबरों के बीच सीएम मोहन यादव ने कांग्रेस पर तंज कसा है। डॉ. यादव ने अपने बयान में कहा कि मध्यप्रदेश पूरा मोदी मय हुआ है। वर्तमान में पूरे देश में प्रचंड आंधी चल रही है, खासकर मध्यप्रदेश में। उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राज्य की 29 सीटों पर समझौता किया था, 28 सीट कांग्रेस को दी और एक सीट समाजवादी पार्टी ने ली। पहले खजुराहो सीट से समाजवादी पार्टी के सदस्य ने अपना नामांकन फॉर्म वापस ले लिया या जानबूझकर उन्होंने फॉर्म में गलती की। और अब आज कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी ने प्रदेश अध्यक्ष की नगरी में फार्म जमा किया और आज नाम वापसी के आखिरी दिन नाम वापस ले लिया, तो उसमें हम क्या कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि कांग्रेस के प्रत्याशी रहे श्री कांति ने भाजपा की सदस्यता के लिए आवेदन भी कर दिया है। उन्होंने कहा कि आवेदन पर विचार कर रहे हैं, अगर उन्हें भाजपा में आना है, तो उन्हें शामिल कराएंगे। खास बात यह है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जिस नगर में रहते हों, उस जिले का प्रत्याशी यदि अपनी लोकसभा की टिकट लौट रहा है, तो इसका मतलब है कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष को इस्तीफा देना चाहिए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी इंदौर के राऊ से विधायक रहे हैं। वे इंदौर जिले के ही निवासी हैं।

राजनाथ सिंह, स्मृति इरानी ने किया नामांकन

लखनऊ (आभा)। केंद्रीय रक्षा मंत्री और लखनऊ लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार राजनाथ सिंह ने नामांकन दाखिल किया। अपने नामांकन से पहले उन्होंने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और अन्य बीजेपी नेताओं के साथ रोड शो किया।

केंद्रीय मंत्री और अमेठी से भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने भी नामांकन किया। इस मौके पर मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव भी मौजूद रहे। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को अमेठी में मतदान होगा। स्मृति ईरानी ने कहा कि सेवा के नए संकल्प के साथ प्रधानमंत्री मोदी से प्रेरित, भाजपा की प्रत्याशी के नाते अमेठी की सेवा में आज मैंने अपना नामांकन भरा है।

कांग्रेस के न्याय पत्र पर मतदाताओं को भरोसा, देश में बदलाव की लहर चल रही है– बसन्त चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बस्ती लोकसभा से पूर्व प्रत्याशी बसन्त चौधरी ने कहा है कि वे गठबंधन प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिये पूरी ताकत झोंक देंगे।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पांच न्याय (हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय) पर आधारित है। कांग्रेस ने युवा न्याय के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है। केन्द्र में सरकार बनते ही उसे पूरा कराया जायेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में दो चरणों के मतदान से संकेत मिलने लगे हैं कि जनता बदलाव के लिये मतदान कर रही है। झूठा जुमला देने वाली भाजपा को मतदाता सिरे से नकार रहे है।

कांग्रेस नेता बसन्त चौधरी ने कहा कि कांग्रेस गारंटी देती है कि वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ष के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन पारित करेगी। देशव्यापी सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना कराया जायेगा, स्वास्थ्य देखभाल के लिए 25 लाख रुपये तक के कैशलेस बीमा का राजस्थान मॉडल अपनाया जाएगा। किसान न्याय के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दी जाएगी। कर्ज माफी आयोग के गठन किया जाएगा। साथ ही जीएसटी मुक्त खेती का वादा किया है। श्रमिक न्याय के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजूदरी 400 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी के वादे के साथ नारी न्याय में महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक–एक लाख रुपये प्रति वर्ष दिये जायेंगे। घोषणा पत्र में कांग्रेस ने यह भी कहा है कि सरकार में आने के बाद वह नई शिक्षा नीति को लेकर राज्य सरकारों के साथ परामर्श करेगी और इसमें संशोधन करेगी। इसके साथ ही 'पिछले 10 वर्षों में हुए भ्रष्टाचार' के मामलों की जांच कराई जाएगी। बसन्त चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र से भाजपा डर गई है और वह चुनाव को मंदिर, मसिजद, हिन्दु, मुसलमान, मछली पर लाना चाहती है किन्तु मतदाता सच्चाई जान चुके हैं।

बदलाव के लिये एकजुट हैं बस्ती के मतदाता– राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिये समाजवादी पार्टी, इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी द्वारा निरन्तर जन सम्पर्क और नुक्कड़ सभाओं का सिलसिला जारी है। महादेवा विधानसभा क्षेत्र के बानपुर में आयोजित नुक्कड़ सभा में राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि उनका चुनाव मतदाता स्वंय लड़ रहे हैं। भाजपा के जुमले नाकाम होंगे और इण्डिया गठबंधन मतदाताओं के अपार सहयोग से जीत दर्ज करेगा। सपा प्रत्याशी ने कहा कि कड़ी धूप के बावजूद लोग जिस प्रकार से बदलाव के लिये एकजुट हो रहे हैं उससे तंय है कि केन्द्र में इस बार भाजपा की सरकार नहीं बनने वाली। इण्डिया गठबंधन की सरकार जुल्म, अत्याचार से मुक्ति दिलाकर युवाओं को रोजगार, सरकारी नौकरी और किसानों को उनका अधिकार देगा। कहा कि भाजपा के 400 पार के नारे को जनता ने सिरे से नकार दिया है।

–भाजपा सत्ता में आयी तो संविधान बदल देगी– महेन्द्रनाथ यादव

–इण्डिया गठबंधन के नुक्कड़ सभा में छाया रहा संविधान, आरक्षण का मुद्दा

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि धर्म के नाम पर नफरत पैदा कर भाई–भाई के बीच दीवार खड़ा कर ताकत के बल पर लोकतंत्र का अपहरण करने वाली भाजपा को सिरे से नकार दें। दो चरणों के मतदान के बाद अब स्पष्ट संकेत मिलने लगे हैं कि मतदाता बदलाव का मन बना चुके हैं। उन्होने सभा में उपस्थित नौजवानों, किसानों, महिलाओं का आवाहन किया कि वे बदलाव के लिये 25 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। कहा कि देश और बस्ती में बेरोजगारी, मंहगाई सबसे बड़ा मुद्दा है। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का है। कहा कि यदि भाजपा सत्ता में पुनः आयी तो संविधान बदल देगी। संविधान ने ही गरीबों, समाज के दबे कुचले लोगों को अधिकार दिये हैं। कहा कि मतदाता लोकतंत्र को बचाने के लिये मतदान करके साम्प्रदायिक ताकतों को मुंहतोड़ जबाब देंगे। देश और बस्ती का नौजवान बदलाव के लिये निकल पड़ा है।

नुक्कड़ सभा को विजय विक्रम आर्य, राजेन्द्र चौधरी, चन्द्रिका यादव, सदानन्द यादव, सईद सिद्दीकी, सुरेश यादव आदि ने सम्बोधित किया। वक्ताओं ने जमीनी मुद्दे उठाये, कहा कि भाजपा ने देश के मतदाताओं के साथ धोखा दिया है। वक्त आ गया है कि मतदाता भाजपा के अहंकार को पस्त कर लोकतंत्र और संविधान बचा लें। सभा में भोला पाण्डेय, जगदीश चौधरी, रामधनी यादव, देवनाथ यादव, शिरोमणि पाल, अमर अग्रहरि, निर्मल यादव, विश्वनाथ यादव, मो. स्वालेह, कैश मोहम्मद, रंगीलाल चौधरी, बालकेरन यादव, रामकिशुन चौधरी, प्रेमचन्द्र यादव, महेन्द्रनाथ, योगेन्द्र कुमार के साथ ही इण्डिया गठबंधन के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, महिलायें और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 अप्रैल 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

सामाजिक संरचना और राजनीति

भारतीय समाज में सामाजिक उत्पीडन का मुद्दा सदियों पुराना है। ऐतिहासिक विकास के विभिन्न चरणों में जहां शासक जनता को अंधाधुंध लूटते रहे, वहीं समाज का एक बड़ा भाग सामाजिक दृष्टि से अनेक अमानवीय अत्याचारों का शिकार होता रहा। इन अत्याचारों की सूची में जातिगत भेदभाव एक प्रमुख मुद्दा है। दुष्ट लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए समाज को जातियों में बांट दिया और ऐसी व्यवस्था बना दी, जहां व्यक्ति का मूल्यांकन गुण के आधार पर नहीं, बल्कि उस जाति के आधार पर किया जाता है, जिसमें वह पैदा हुआ है ।

पूजा स्थलों, जल स्रोतों, श्मशान घाटों, आवासीय क्षेत्रों को अलग कर दिया गया और उन्हें लंबे समय तक संपत्ति खरीदने और शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार से भी वंचित रखा गया। वर्तमान वैज्ञानिक युग में भी भारतीय समाज में जाति व्यवस्था किसी न किसी रूप में न केवल कायम है, बल्कि कई मायनों में गहरी हो चुकी है।भारत की कम्युनिस्ट लहर की एक यह कमजोरी रही है कि इसने सामूहिक रूप में समाज में फैले छुआछूत और सामाजिक असमानता को एक ठोस मुद्दे के रूप में नहीं माना। यद्यपि भारी बहुमत वाले कम्युनिस्टों ने जात–पात व्यवस्था का निजी तौर पर काफी हद तक विरोध किया।

इसके विरुद्ध न तो कोई सतत संघर्ष हुआ और न ही इस वर्ग के लोगों द्वारा कोई सामाजिक दबाव बनाया गया। एक छोटे वर्ग में जातिगत मानसिकता की जड़ें आज भी मौजूद हैं, जिनमें से कई निर्णायक हैं। कई मौकों पर बहुत ही अभद्र अभिव्यक्ति होती है। कम्युनिस्टों ने देश में एक वर्ग द्वारा की जा रही लूट को खत्म करके समानता का माहौल बनाया। दलित समाज में कई साहसी और विवेकशील लोगों ने दलित उत्पीडन, जाति व्यवस्था और छुआ–छूत के खिलाफ आवाज उठाई है और बड़े आंदोलन खड़ा करने का प्रयास भी किया है।

यहां यह उल्लेख करना अप्रासंगिक नहीं होगा कि अपने संस्थापक अधिवेशन में आर.एम.पी.आई.ने जाति–पाति विहीन समाज के निर्माण और नारी मुक्ति के लक्ष्य को पार्टी कार्यक्रम में शामिल किया था। तमाम घोटालों के बावजूद यह कहना गलत होगा कि समाज का यह सबसे पिछड़ा तबका अब सामाजिक गुलामी और अपने साथ होने वाले भेदभाव की स्थिति से पूरी तरह वाकिफ हो चुका है और इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार दलों की स्पष्ट रूप से पहचान कर राजनीतिक और वैचारिक कार्रवाई कर रहा है।श्री गुरु नानक देव जी और भक्ति लहर के महान नेताओं ने अपने कार्यों से लोगों को जन्म के आधार पर बांटने वाली पिछड़ी मानवतावादी विचारधारा पर करारा प्रहार किया है।

इन समाज सुधारकों और अन्य प्रगतिशील लोगों द्वारा शुरू किए गए इस मानवतावादी आंदोलन को गदर आंदोलन कहा गया। शहीद–ए–आजम भगत सिंह और उनके साथियों, बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर जी जैसे महान विद्वानों और संघर्षशील नेताओं का युवा आंदोलन और कम्युनिस्ट आंदोलन आगे बढ़ा है। एक समय बाबू कांशीराम जी ने अपने तरीके से बसपा की स्थापना कर दलित आंदोलन को नई ऊर्जा दी थी। हालांकि, उनके इस महान योगदान को किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह भी सच है कि उन्होंने बसपा के अनुयायियों को पूंजीपति और सामंती वर्गों द्वारा दलित समुदाय सहित पूरे श्रमिक वर्ग के अनियंत्रित शोषण से भी अवगत कराया।

सामाजिक समानता वाले समाज की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि उत्पादन के साधनों पर कब्जा करने के लिए राज्य की सत्ता श्रमिकों और किसानों के हाथों में आ जाए। इसे ही सामाजिक और राजनीतिक क्रांति कहते हैं, जिसके लिए मजदूरों और किसानों की एकता और खूनी संघर्ष, हर कुर्बानी देने का जज्बा, क्रांतिकारी संगठन और वैचारिक और राजनीतिक प्रतिबद्धता की बेहद जरूरत है। दलित समाज की भागीदारी के बिना न तो अकेले दलित समाज इस कार्य को अंजाम दे सकता है और न ही अन्य श्रमिक वर्ग सामाजिक परिवर्तन के इस महान कार्य को पूरा कर सकते हैं। सभी राजनीतिक समझ रखने वाले लोग जानते और समझते हैं कि यही रणनीति वास्तव में भाजपा गठबंधन के पक्ष में नुकसान का कारण बनेगी। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि बसपा 'सुप्रीमो' कुमारी मायावती अपने बयानों में जितना तीखा हमला 'इंडिया' गठबंधन पर कर रही हैं, उससे कहीं अधिक तीखा हमला उन्होंने भाजपा पर किया है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि बदले परिवेश में मतदाता किस रूप में लेते हैं।

जमीनी मुद्दों से भटकता चुनाव

–राजेश रामचन्द्रन–

लंबी चलने वाली लोकसभा चुनाव प्रक्रिया में, अब जबकि दूसरे चरण का मतदान पूरा हो चुका है, अहसास होने लगा है कि माहौल पहले जैसा हो चला है। भाजपा पुनः ध्रुवीकरण के पैंतरे पर लौट चुकी है और लगता है हमेशा की तरह विपक्ष भी खुद को गिरहों में बांध रहा है, वही जाना–पहचाना किंतु दुखद चुनावी तमाशा। सवाल जिसका उत्तर पाने की अपेक्षा है वह यह कि क्योंकर प्रधानमंत्री मोदी 21 अप्रैल को बांसवाड़ा की चुनावी रैली में मुस्लिम फैक्टर घसीट लाए? और यह करने का ढंग कैसा रहादृ इस भाषण में घुसपैठिए, मंगलसूत्र और 'वे जो ज्यादा बच्चों वाले हैं' जैसे तमाम संदर्भ उन्होंने दे डाले।

अब, जबकि इस चुनावी भाषण की चीरफाड़ और विश्लेषण यह समझने के लिए हो रहा है कि विकास से हटकर नफरत, अंतरिक्ष यान की उपलब्धि की बजाय संप्रदाय विशेष का हौवा खड़ा करना, बड़ी आकांक्षाओं की बात करने के बजाय सतही भाषा के स्तर पर उतर आने के पीछे कारण क्या है। क्या यह चुनावी वक्त का भय है? क्या विपक्षी दल मजबूत हो रहे हैं और भाजपा पर वजूद का संकट बन आया है? किसी राजनीतिक दल के लिए हालात मुश्किल बनते देख अपने सुरक्षित पाले में वापस घुसना सामान्य है।

अतएव, आसान आकलन यह है कि 19 अप्रैल के पहले चरण के मतदान के प्रतिशत और मतदाताओं के मिजाज ने भाजपा और संघ परिवार के नेतृत्व को फिक्रमंद कर डाला है, उनके पास फिर से धार्मिक पत्ता खेलने का एकमात्र विकल्प बचा। प्रधानमंत्री मोदी को 20 अप्रैल को नागपुर रुकना था। क्या आरएसएस नेतृत्व ने उन्हें हकीकत से अवगत करवाया? राजनीतिक बिसात को बूझने के कयासों में इस किस्म के सवाल उभर रहे हैं रू क्या भाजपा के लिए हालात मुश्किल हो रहे हैं?

लेखक 20 अप्रैल के दिन ऊधमपुर में मौजूद था, जहां पर भाजपा प्रत्याशी डॉ. जितेन्द्र सिंह के समक्ष पिछली दफा की अपेक्षा मुकाबला कहीं कड़ा है। भाजपा के खिलाफ मुस्लिम मतदाताओं की लामबंदी मजबूत दिखाई दी। गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी का प्रत्याशी मैदान में होने से मुस्लिम वोटें बंटने का असर क्या रहा, इसके लिए चुनाव परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। यदि भाजपा के विरुद्ध मुस्लिम समुदाय की लामबंदी पूर्ण रूपेण है और हिंदू प्रतिक्रिया ढीली–ढाली– इससे बांसवाड़ा में मोदी के भाषण का विश्लेषण बेहतर ढंग से हो सकता है। सीधा अर्थ है खतरे की घंटी बज चुकी है। तिस पर, विभिन्न सर्वे बता रहे हैं कि बेरोजगारी और महंगाई चुनावी बातचीत में मुख्य मुद्दे बनकर उभरे हैं और वास्तव में गैर–सांप्रदायिक हिंदुओं की सोच को प्रभावित कर रहे हैं। यदि केंद्र सरकार के खिलाफ गुस्से की लहर न भी दिखाई दे तो भी कम से कम उत्साह में कमी तो साफ दिख रही है।

यह सब कुछ है जो एक सामान्य चुनाव में किसी सत्ता को बदलने को जरूरी है, अतएव सत्ताधारी पक्ष के लिए लाजिमी हो चला है कि चुनावी प्रचार में मुस्लिम फैक्टर शामिल करके इसे असामान्य बना दिया जाए। जहां आलोचकों का इल्जाम है कि यह भाजपा द्वारा धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करके मतदाता के रुझान को बदलने का अग्रिम उपाय है वहीं बेशक यह चुनावी प्रचार को साम्प्रादायिक रंगत देने का प्रयास है। और 'हिंदू खतरे में है' का राग खुद–ब–खुद दर्शाता है कि भाजपा मुश्किल में है। हालांकि भाजपा के अंदरूनी लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री का बांसवाड़ा का भाषण इस बात का द्योतक नहीं है कि भाजपा मुश्किल में है बल्कि यह तो कार्यकर्ताओं की सुस्ती दूर करने को भावनात्मक सुरों का तड़का था। गोया, पार्टीगण साम्प्रदायिक रंगत को भावनात्मक सुर ठहरा रहे हैं। लेकिन यदि यह दलील मान भी ली जाए, तब भी इतना तो साफ है कि फिलवक्त भाजपा सुस्त पड़ना गवारा नहीं कर सकती और प्रत्येक सीट जीतने के लिए जी–जान से लड़ाई लड़नी पड़ेगी।

इस स्थिति में यह समझ से परे हैं कि क्या महज साम्प्रदायिक पुट देना काफी होगा, क्या सुस्ती भगाने या आर्थिक संकट से बनी मतदाता की उदासीनता हटाने के लिए पार्टी के पास यही एक तरीका बचा है? यदि लोगों का मिजाज महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे से प्रभावित है तो मामला सरासर सत्ताधारियों के प्रति कड़वाहट का है, जिसे महज साम्प्रदायिक चाशनी चढ़ाकर दूर नहीं किया जा सकता। जीत के लिए, मुस्लिम फैक्टर से परे, 'एक बार फिर मोदी' अवयव का होना जरूरी है। और इसी का इम्तिहान है।

जहां भाजपा का परीक्षण हो रहा है वहीं सत्ताधारियों के प्रति नाराजगी से उत्पन्न वोटें खुशी–खुशी पाने का इंतजार करने की बजाय कांग्रेस उन्हें भ्रमित कर रही है। राहुल गांधी किसी एक्स–रे जांच करवाने की कह रहे है, यह जानने के लिए कि किस समुदाय ने कितना पाया। जाहिर है उनका एस्क–रे यह नहीं दर्शाता कि खुद कांग्रेस के संभ्रांतों में किस समुदाय ने कितना पाया। यदि इस बात से बीच वाली जातियां उखड़ गईं तो जाति–आधारित पड़ताल से सशक्तीकरण करने का यह प्रयास उलटा भी पड़ सकता है।

इसी बीच, राहुल गांधी के पिता, माता और बच्चों के सलाहकार सैम पित्रोदा विरासत–कर लगाने की सिफारिश कर रहे हैं, विचार शानदार है लेकिन कांग्रेस के मालदार समर्थकों और खुद पार्टी ने इसे खारिज कर दिया है। जब कांग्रेस सारा ध्यान केवल गरीब वर्ग पर केंद्रित रखने का दावा कर रही है, ऐसे में विरासत–कर लगाने का विचार इस गरीब–हितैषी एजेंडे में सही बैठता है। क्यों न अति–धनाढ्यों पर कर लगे, खासकर जिन्होंने संदेहास्पद तरीकों से सरमाया इकट्ठा किया है? चूंकि काले से सफेद में तब्दील धन–संपत्ति अगली पीढ़ी को विरासत में मिलती है, सो इस पर कर लगना चाहिए।

कांग्रेस और इसके समर्थकों ने इस विचार को सिरे से खारिज कर दिया क्योंकि पार्टी के पास कुल मिलाकर विरासत ही तो है जिस पर पार्टी और नेहरू–गांधी परिवार नाज कर सकता है। पुरखों से विरासत में 15–20 करोड़ रुपये या अधिक मूल्य की धन–संपत्ति पाने वालों पर कर लगना चाहिए (यह दर 15 फीसदी जितनी मामूली भी हो सकती है, महज इसलिए ताकि प्राप्तकर्ता को बिना काबिलियत और छप्पड़ फाड़कर मिले धन का मोल समझ आए) बल्कि ऐसा कर राजनीतिक विरासत पर भी लगना चाहिए। किसी नेता का बेटा या बेटी, चुनावी क्षेत्र में पार्टी के लिए 15 साल तक काम किए बगैर विधानसभाई या संसदीय चुनाव में प्रत्याशी न बन सके। इससे 15 फीसदी विरासत–कर और 15 वर्षीय सेवाकाल का समांतर औचित्य बन पाएगा।

राहुल गांधी क्रांति की बात ऐसे कर रहे हैं मानो कोई माओ या स्टालिन हों। भव्यता का भ्रम अलग, वे अमेठी अथवा रायबरेली या बाकी उत्तर प्रदेश में अन्याय के इस एक्स–रे का क्रियान्वयन क्यों नहीं कर पाए जब 10 सालों तक वे कांग्रेस के दूसरे सबसे ताकतवर सांसद रहे (पहले बतौर राय बरेली सांसद)। आखिरकार, 2019 में भी उत्तर प्रदेश से कांग्रेस के 21 सांसद चुनकर आए थे। यदि चुनावी लड़ाई आम आदमी पर बन चुके आर्थिक संकट के मुद्दे पर हो चली है, तो उस गरीब देश में जहां अरबपति अपने बच्चों की शादी में सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च कर देते हैं, वहां विरासत कर पर बात करने तक का असर चमत्कारी हो सकता है। इसलिए, मोदी को अपनी गद्दी बनाए रखने के लिए तमाम सत्ता–अनुकूल स्थितियों का फायदा उठाना आना चाहिए था, लेकिन यह हुआ लगता नहीं।

मोबाइल के जाल में उलझा बचपन

- डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने–अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे। इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है। सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चौनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते–देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चौनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा।

तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं। बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सेल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी–हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है। हमेशा तनाव, डिप्रेशन, आक्रामकता, गुस्सेल, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस लड़कों और लडकियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मातफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टेब, कम्प्यूटर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चें को भी यह जानकारियां होने लगी है। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है।

आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीड़ी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाये तो मोबाइल युग ने घर–घर ही नहीं अपितु परिवार के लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफेक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चें को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दो चार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा–चाची, मौसा मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही है। ऐसे में मोबाइल या सोशल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

उदास क्यों हैं मतदाता

–अवधेश कुमार–

प्रथम चरण एवं दूसरे चरण में लगातार मतदान की गिरावट देश में चिंता का विषय बनी है तो यह स्वाभाविक है। अब तक कुल 12 राज्यों केरल, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तराखंड, अरुणाचल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम नागालैंड, सिक्किम तथा 3 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का मतदान संपन्न हो चुका है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो औसत मतदान में गिरावट नहीं है। राज्यों एवं राज्यों के अंदर संसदीय क्षेत्र में भी मतदान प्रतिशत कहीं ठीक–ठाक है तो कहीं गिरा है। अगर दोनों चरणों की कुल 190 सीटों पर 2019 के मतदान प्रतिशत से तुलना करें तो यह मोटा मोटा दो प्रतिशत की गिरावट ही दिखाता है। दूसरे चरण में लगभग 68.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 में 70.05 प्रतिशत से ज्यादा हुआ था। त्रिपुरा में सर्वाधिक 79.66 प्रतिशत लोगों ने मताधिकार का उपयोग किया तो मणिपुर में 78.78 प्रतिशत ने।

असम में 2019 में 76.45 की जगह 77.35 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 75 प्रतिशत प्रतिशत की जगह 75. 16 प्रतिशत, कर्नाटक में 68.21 की जगह 68.47 प्रतिशत, केरल में लगभग 80 प्रतिशत की जगह 70.21 प्रतिशत, बिहार में करीब 60 प्रतिशत की जगह 56.81 प्रतिशत, मध्यप्रदेश में 67.75 प्रतिशत की जगह 58.26 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 61.93 में 59.63 प्रतिशत, प. बंगाल में 80 प्रतिशत की जगह 73.78 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 62. 39 प्रतिशत की जगह 54.8 प्रतिशत मतदान हुआ। तो मध्यप्रदेश में 9 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश में 8 प्रतिशत से ज्यादा मतदान की गिरावट असाधारण है। निश्चित रूप से इन दो चरणों ने मतदान की प्रवृत्तियों का आकलन कठिन बना दिया है। तो क्या मायने हैं मतदान प्रतिशत की इन गिरावटों का?

अभी तक 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदान उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वर्तमान मतदान को देखते हुए तत्काल यह मानना होगा कि हमारे देश में 2019 ने रिकार्ड स्तर प्राप्त किया और तत्काल इससे आगे बढ़ाने की संभावना नहीं है। जब एक बार कोई भी प्रवृत्ति ऊंचाई छूती है तो उसके बाद उसे नीचे आना ही पड़ता है। हालांकि राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा और जन जागरूकता को देखते हुए मतदान प्रतिशत में निरूसंदेह वृद्धि होनी चाहिए थी। नहीं हुआ तो यह सभी राजनीतिक दलों, मीडिया के साथ सक्रिय नागरिकों के लिए ड्क्षचता का विषय होना चाहिए और आगे के दौर में सभी कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा लोग निकल कर मतदान करें, किंतु राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट को देखकर ज्यादा निराश होने का कोई कारण नहीं हो सकता। नागालैंड में इसलिए मतदान प्रतिशत ज्यादा गिरा क्योंकि 6 जिलों में ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स फ्रंट (ई.एन.पी.ओ.) ने अलग राज्य की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था।

इन 6 जिलों के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चार लाख से अधिक मतदाता हैं। जब इतनी संख्या में मतदाता मत डालेंगे नहीं तो उसे गिरना ही है। इसे मतदान की प्रवृत्ति नहीं मान सकते। करीब डेढ़ दशक पहले मतदान घटने का अर्थ सत्तारूढ़ घटक की विजय तथा बढने का अर्थ पराजय के रूप में लिया जाता था और प्रायरू ऐसा देखा भी गया। किंतु 2010 के बाद प्रवृत्ति बदली है। मतदान बढने के बावजूद सरकारें वापस आई हैं और घटने के बावजूद गई हैं। पिछले 17 लोकसभा चुनावों के मतदान की प्रवृत्ति का आकलन करें तो 5 बार मतदान घटा है और 4 बार सरकार बदल गई और 7 बार मतदान बढ़ा तो उसमें 4 बार सरकारें बदल गईं। इसलिए इसके आधार पर कोई एक निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

पेड़ के नीचे दबकर मजदूर की हुई मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। एक लकड़ी ठेकेदार मजदूर लगाकर पेड़ कटा रहा था। इस दौरान काटे गए पेड़ के नीचे दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिरसिया थाना क्षेत्र के गांव सोनपुर में सोमवार को लकड़ी ठेकेदार की ओर से मजदूर लगाकर पेड़ कटाया जा रहा था। मजदूरों ने पेड़ काटा और उसे जमीन पर गिरा रहे थे। इस दौरान कोतवाली भिनगा क्षेत्र के कस्बा भिनगा स्थित अम्बेडकर नगर मोहल्ला निवासी मजदूर पप्पू (30) पुत्र धीनू पेड़ के नीचे दब गया। साथी मजदूरों ने पेड़ को हटाया लेकिन तब तक मजदूर पप्पू की मौत हो गई। सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची सिरसिया पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लकड़ी ठेकेदार ने सोनपुर गांव में किसी कास्तकार से पेड़ खरीदा था। परमिट बनवाया और मजदूर लगाकर सोमवार को पेड़ कटवा रहा था। पेड़ काटते समय पप्पू हादसे का शिकार हो गया। मजदूर की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

भाजपा उम्मीदवार कीर्तिवर्धन समेत दो लोगों ने किया नामांकन

संवाददाता–गोंडा। जिले के गोंडा और करनैलगंज सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया 26 अप्रैल से शुरू हो चुकी है। सोमवार को भाजपा उम्मीदवार और सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने गोंडा लोकसभा सीट से रिटर्निंग आफिसर नेहा शर्मा के समक्ष पर्चा दाखिल किया। उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप भी मौजूद रहे। इससे पहले कैसरगंज से विनोद कुमार पटेल ने सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर आरओ एम अरुणमौली के समक्ष नामांकन दाखिल किया। नामांकन के लिए जाते समय अतिरिक्त लोगों के प्रवेश को लेकर भाजपा प्रत्याशी कीर्तिवर्धन सिंह राजा भैया और एएसपी मनोज कुमार रावत के बीच मामूली कहासुनी हो गई। एएसपी ने आयोग के निर्देशों का दिया हवाला। इसके बाद राजा भैया ने दो पूर्व मंत्रीधविध ाायक रमापति शास्त्री और पलटू राम को ससम्मान वापस किया। सोमवार को गोंडा सीट से राष्ट्रवादी पार्टी आफ इंडिया से विनीता कौशल निवासी–लक्ष्मनपुर तरबगंज ने और निर्दलीय कन्हैया लाल निवासी– माझा तरहर ने एक–एक सेट फार्म लिया है। सरदार पटेल सिद्धान्त पार्टी से कुलदीप (निवासी बुढ़नइया पकड़ी जनपद सिद्धार्थ नगर) के प्रतिनिधि ने दो सेट फार्म लिया है। अधिकृत तौर पर उम्मीदवारी की घोषणा न होने के बावजूद बीएसपी से सौरभ (निवासी कुदरखी मोतीगंज) ने गोण्डा से दो सेट फार्म लिया है। इसी प्रकार कैसरगंज से बसपा के संभावित उम्मीदवार के तौर पर नरेंद्र पाण्डेय (इन्द्रा नगर,लखनऊ) ने एक सेट फार्म लिया है।

20 परिवारों ने घरों पर चस्पा किया, 'मकान बिकाऊ है'

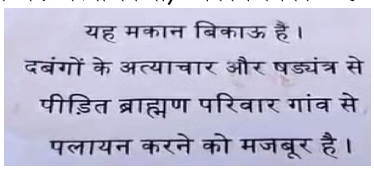

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के करजहा गांव निवासी 20 परिवारों ने अपने घरों पर 'मकान बिकाऊ है' का पोस्टर चिपका दिया है। इनका कहना है कि गांव में लगातार के ये एक विशेष बिरादरी की तरफ से उत्पीड़न झेलते आ रहे हैं। गांव में दलित काफी दबंग है और इनकी वजह से खेती, किसानी करना भी दूभर हो गया है। इसी से आजिज आकर उन्होंने अपने घर के बाहर ये नोटिस चस्पा कर दी है।

आरोप लगाया कि ये मनबढ़ फसलों का सरेआम नुकसान करने के साथ–साथ धर्म के अनुसार त्योहार तक नहीं मनाने दे रहें हैं। हद तो यह बहू बेटियों पर भी छींटाकशी से बाज नहीं आ रहे हैं। कहा, अगर प्रशासन इनकी बात नहीं सुनता है तो वे लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो जाएंगे। तमकुहीराज के एसडीएम विकास चंद का कहना कि पोस्टर चिपकाने का मामला संज्ञान मेंआया है। जांच कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी। गांव में जांच के लिए पुलिस भेजी जा रही है।

टीटू सिनेमा हाल का लाइसेंस डीएम ने किया निलम्बित

संवाददाता–बलरामपुर। पूर्व वन निगम चेयरमैन व सपा नेता सलिल सिंह टीटू के सिनेमा हाल का लाइसेंस डीएम के निर्देश पर निलम्बित कर दिया गया है। यह कार्रवाई सिनेमा हाल में विद्युत, अग्नि सुरक्षा, साफ सफाई व अन्य सावधानियों के न बरतने के कारण हुई है। सदर तहसीलदार को रिसीवर नियुक्त करते हुए सिनेमा हाल परिसर को उनकी सुपुर्दगी में दिया गया है। लाइसेंसी को अपना पक्ष रखने का अवसर डीएम ने प्रदान किया है। मुख्यालय के बहराइच रोड स्थित मोहल्ला पहलवारा में संचालित टीटू सिनेमा के संचालक पूर्व वन निगम चेयरमैन व सपा नेता सलिल सिंह टीटू ने वर्ष 2024–25 में सिनेमा हाल के नवीनीकरण के लिए निवेदन किया था। नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच कराने के लिए डीएम ने उप जिला मजिस्ट्रेट तुलसीपुर, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी बलरामपुर व सहायक निदेशक विद्युत के माध्यम से जांच कराई। जिसमें पाया गया कि सिनेमा हाल में सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं किया गया है। बीते नौ मार्च को अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान सिनेमा हाल में लगा ट्रांसफार्मर, अव्यवस्थित कंट्रोल रूम, खुले हुए तारों एवं विद्युत बोर्डों को सही, शौचालय इत्यादि की व्यवस्था तथा साफ सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए थे।

पहले दिन भाजपा व गठबंधन प्रत्याशी ने खरीदे नामांकन पत्र

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव एवं गैसड़ी विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन पत्रों की बिक्री आज से कलेक्ट्रेट में शुरू हो गई है। पहले दिन सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्र व सपा–कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा सहित आठ लोगों ने नामांकन पत्र खरीदा है। इसके अलावा गैसड़ी विध ाानसभा उपचुनाव के लिए पांच लोगों ने पर्चा लिया है। जिला निर्वाचन अधि ाकारी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए एडीएम वित्त एवं राजस्व न्यायालय कक्ष संख्या 30 व गैसड़ी विधानसभा उपचुनाव के लिए अपर उप जिलाधिकारी न्यायिक के कक्ष संख्या 35 में नामांकन पत्रों की बिक्री सोमवार से शुरू की गई है। बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए अंतिम तिथि 06 मई निर्धारित है। 07 मई को नामांकन पत्रों की जांच, नौ को वापसी एवं 25 मई को मतदान होगा। उन्होंने बताया कि श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र के लिए पहले दिन आठ नामांकन पत्र खरीदे गए हैं एवं गैसड़ी विधानसभा उपचुनाव के लिए पांच नामांकन पत्रों की खरीद हुई है।

श्रावस्ती संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी साकेत मिश्र व सपा–कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा के अलावा राष्ट्रीय जनता पार्टी से गीता गौतम एवं निर्दल प्रत्याशी के रूप में शिवनाथ प्रमोद चौधरी, रुद्र नारायण पटेल, शोएब अहमद, मालिक राम यादव, जावेद अशरफ खान, कृ ष्ण कुमार व अब्दुल हकीम ने नामांकन पत्र लिया है। गैसड़ी विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी शैलेश कुमार सिंह शैलू, सपा प्रत्याशी राकेश यादव व निर्दल प्रत्याशी रामध ानी, साधना यादव व महेन्द्र तिवारी ने पर्चा खरीदा है।

एसएसबी 66वीं वाहिनी के स्थापना दिवस पर प्रतिभागी हुए सम्मानित

संवाददाता–महराजगंज। सशस्त्र सीमा बल 66वीं वाहिनी के दोमुहानघाट और अन्य सीमा चौकियों पर कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई के नेतृत्व मे नौवीं स्थापना दिवस मनाया गया। जिसमें सेवानिवृत्त अधि ाकारी व कर्मियों को गुलदस्ता भेंट देकर सम्मानित किया गया। कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई ने बताया कि वाहिनी मुख्यालय परिसर तथा सभी सीमा चौकियों में 66वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की नौवीं स्थापना दिवस समारोह मनाया गया।

इस दौरान वाहिनी मुख्यालय में बड़ा खाना तथा बलकर्मियों, संदीक्षा सदस्यों व उनके बच्चे के के बीच खेल प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में अंत में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया स साथ ही सभी सीमा चौकियों में बड़ा खाना तथा ग्रामीणों के साथ वालीबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया स इस अवसर पर कमांडेंट पराग सरकार, कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई, कमांडेंट (चिकित्सा) डॉ. राजीव रंजन, द्वितीय कमान अधिकारी डॉ. सुशांत शहाजी पारकर, अभिनव कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट सुबीर घोष, सहायक कमांडेंट रामबहादुर गुरूंग, पुलिस क्षेत्राधिकारी नौतनवा जय प्रकाश त्रिपाठी, डीसीआई इमिग्रेशन सोनौली सुधीर पासवान, खनुआ चौकी प्रभारी मनोज कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

माइक्रो आब्जर्बर को दिया गया प्रशिक्षण,निर्वाचन के दिन रखेंगे निगरानी

संवाददाता–श्रावस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन को सकुशल कराने के लिए सोमवार को माइक्रो आब्जर्बर को एएनएम ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें डीएम कृतिका शर्मा, प्रभारी अधिकारी कार्मिक अनुभव सिंह मौजूद रहे।

प्रशिक्षण में के दौरान सभी माइक्रो आब्जर्वर को प्रोजेक्टर के माध्यम से फिल्म दिखाकर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर सामान्य पर्यवेक्षक के नियंत्रण में कार्य करेंगे तथा आवंटित मतदान केंद्रों में निर्वाचन प्रकिया की निगरानी करेंगे। साथ ही मतदान एवं मॉक पोल का भी निरीक्षण करेंगे। मतदान अभिकर्ताओं व निर्वाचन अभिकर्ताओं या किसी राजनीतिक दल की ओर से की गई शिकायतों को गंभीरता से लेकर सामान्य पर्यवेक्षक को सूचित करेंगे। इसी तरह से मॉक पोल के दौरान मतदान अभिकर्ताओं एवं राजनीतिक दलों की उपस्थिति पर भी नजर रखेंगे। यह देखेंगे कि सेक्टर मजिस्ट्रेट मतदान केंद्र का भ्रमण किया जा रहा है या नहीं। इसके अलावा मतदान केंद्र के अन्दर कोई अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश तो नहीं कर रहा है। प्रभारी अधिकारी कार्मिक मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मतदान के समय केन्द्र पर माइक्रो आब्जर्वर की अहम भूमिका होती है। उन्होने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान केंद्रों पर मतदान के दौरान व्यापक नजर बनाये रखेंगे। मतदान के बाद ईवीएम सील हुई है या नहीं या मतदाता के हाथ में चुनावी स्याही लग रही है या नहीं इन सभी चीजों पर अपनी नजर रखेंगे। मतदान केंद्र पर कोई गड़बड़ी होने पर इसकी जानकारी तुरंत सामान्य ऑब्जर्वर को देंगे। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, सहायक प्रभारी अधिकारी ईवीएमध्उप निदेशक कृषि कमल कटियार, अग्रणी बैंक प्रबन्ध ाक सुभाष चन्द्र मित्रा, जिला बचत अधिकारी राम प्रसाद सहित अन्य मास्टर ट्रेनर एवं माइक्रो आब्जर्वर मौजूद रहे।

मौत के बाद इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने किया हंगामा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के शास्त्री नगर निवासी स्वामीनाथ कसौधन के 22 वर्षीय पुत्र गणेश कसौधन की मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो कई। सोमवार की सुबह जब शव घर पहुंचा तो परिजन इलाज के दौरान डॉक्टरों की लापरवाही एवं मारपीट का आरोप लगाते हुए पोस्टमार्टम की मांग करने लगे। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। उसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। मृतक गणेश के पिता स्वामीनाथ ने बताया कि बीते 21 अप्रैल को बेटे की तबीयत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल महाराजगंज में भर्ती कराया गया था। तबीयत में सुधार नहीं होने पर बीते गुरुवार की शाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। मेडिकल कॉलेज में चार दिन तक इलाज चलने के बाद रविवार की देर रात मौजूद डॉक्टरों ने बेटे की मृत्यु की सूचना दी। परिजन इसी बात से डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगा रहे थे। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष मनोज कुमार राय ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया।

आग से दो एकड़ गेहूं की फसल जली

संवाददाता–गोण्डा। मध्यनगर गांव में सोमवार को किसानों के खेत में आग लगने से लगभग दो एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गयी। मध्यनगर निवासी द्वारिका सिंह ने बताया कि उनका चार बीघा गेहूं जल गया। नागेश्वर सिंह ने बताया कि तीन बीघा गेहूं की फसल जल गया। अज्ञात कारणों से खेत से उठी चिंगारी ने गेहूं की फसल में आग लगा दी। खेतों में काम कर रहे किसानों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन तब तक फसल जल कर राख हो गयी। पीड़ितों ने सूचना हल्का लेखपाल मैनुद्दीन अंसारी को दी है। छपिया संवाददाता के मुताबिक मसकनवा कस्बे के शीतला माई मंदिर के बगल बाजार के पीछे घर का कूड़ा जला देने से आग भड़क गयी। इससे हजारों का नुकसान हुआ। एक बालिका थोड़ा झुलस गयी। लोगों ने पुलिस और फायर बिग्रेड को सूचना दी। कूड़े के ढेर में लगी आग फैलते हुये बगल में लगे बांस की कोठी में लग गयी। जिससे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें व चिंगारियों के चपेट में राजू चिकवा उर्फ मोहम्मद रहमान, सलीम, बबलू, गोली, रहीम, सद्दाम, छोटू का मकान आ गया। कपड़ा टिन टप्पर छाजन और अन्य सामान जल गया। लोगों ने भाग दौड़कर किसी तरह से आग को बुझाया। आग की लपट से राजू की पुत्री शहजादी मामूली रूप से झुलस गयी। आग बुझने के एक घंटे बाद पंहुची फायरब्रिगेड की गाड़ी ने सुलग रहे बांस की कोठी व कूड़े को पूरी तरह बुझाया। लेखपाल बृजेन्द्र कुमार सक्सेना ने बताया कि नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट भेजी जा रही है।

रिबोर नहीं कराया गया इंडिया मार्का हैंडपंप, पेयजल की किल्लत

संवाददाता–बहराइच। इलाके के कई गांवों में लगे अधि ाकतर हैंडपंप खराब पड़े हैं। जिससे यहां के ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। एक तरफ प्रचंड गर्मी अपना रूप दिखाने लगी है। वहीं गेंदपुर करीम गांव में लगे अधिकतर हैंडपंप रिबोर की बाट जोह रहे हैं। बढ़ती गर्मी को देखते हुए पेयजल की समस्या पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

गांव के दो नल दूषित पानी दे रहे हैं। कई हैंडपंप जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते खराब पड़े हैं। जिससे फुला पुरवा व करीम गांव के लोगों को पेयजल के लिए इधर–उध ार भटकना पड़ रहा है। आलम यह है कि निजी हैंडपंपों पर लोगों की पानी भरने के लिए लम्बी लाइन लगानी पड़ती है। दिनों दिन बढ़ रही गर्मी को देखते हुए खराब हैंडपंपों को सही कराना चाहिए, ताकि गर्मी में लोगों को पेयजल की समस्या से निजात मिल सके।

चालक को झपकी आने पर पलटी वैन, सभी सुरक्षित

संवाददाता–गोण्डा। लखनऊ हाईवे पर सोमवार को चालक को झपकी आने पर वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। गनीमत रही वाहन में यात्री नहीं थे सिर्फ चालक को हल्की चोट लगी है। घटना गोंडा लखनऊ मार्ग के बीआरसी स्थित कंपोजिट विद्यालय के सामने की है। रविवार की रात लखनऊ की तरफ से एक वैन आ रही थी। अभी वह कंपोजिट विद्यालय के सामने पहुंची ही थी कि चालक को झपकी आने से अनियंत्रित होकर नगर पालिका द्वारा स्थापित कूड़ेदान पर चढ़कर विद्यालय की बाउंड्रीवाल से टकरा कर पलट गई। वाहन को अनियंत्रित देखकर वहां मौजूद लोगों मे भगदड़ मच गई। कुशल था की कार कूड़ेदान पर चढ़कर विद्यालय की बाउंड्रीवाल से टकरा गई। यदि गाड़ी थोड़ा सा और आगे बढ़ी होती तो उसकी चपेट में आकर कई लोगों की जान भी जा सकती थी। फिलहाल वैन में केवल चालक ही सवार था वह भी पूरी तरह सुरक्षित बच गया। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जुटी रही।

निर्दल उम्मीदवारों को दस प्रस्तावक लगाने होंगे

संवाददाता–महाराजगंज। लोकसभा चुनाव में निर्दल उम्मीदवारों को दस प्रस्तावक लगाने होंगे। नामांकन के समय ही प्रस्तावकों का नाम देना होगा। महराजगंज में सात मई से नामांकन पत्रों की बिक्री और जमा का कार्य शुरू हो जाएगा। मतदान एक जून को 2084 बूथों पर होगा। मतगणना चार जून को होगी।

नामांकन पत्र प्रत्याशी द्वारा स्वयं या उसके द्वारा अधिकृत किसी एक प्रस्तावक द्वारा दाखिल किया जा सकता है। प्रत्याशी कुल चार नामांकन पत्र रिटर्निंग अधिकारी या अधिकृत सहायक रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। यदि उम्मीदवार निर्दलीय उम्मीदवार है तो उसे उस निर्वाचन क्षेत्र के ही दस प्रस्तावकों की आवश्यकता होगी। प्रस्तावकों के लिए आवश्यक है कि प्रस्तावक उसी निर्वाचन क्षेत्र का मतदाता होना चाहिए। महराजगंज में सातवें और अंतिम चरण में चुनाव होना है। इसके लिए डीएम व जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सात मई को अधिसूचना जारी किया जाएगा। अधिसूचना जारी होते ही सात मई से ही नामांकन पत्रों की बिक्री भी शुरू हो जाएगी। 14 मई तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच 15 मई को होगी। 17 मई को नामांकन पत्र वापस लिया जा सकेगा। मतदान एक जून को होगा।। लोकसभा निर्वाचन के लिए सामान्य उम्मीदवार के लिए 25 हजार रुपये जमानत के रूप में धनराशि रिटर्निंग आफिसर के पास ट्रेजरी चालान द्वारा जमा कराना होगा। प्रत्येक उम्मीदवार चार नामांकन पत्र हिंदी या अंग्रेजी में दाखिल कर सकता है। लेकिन जमानत राशि प्रथम नामांकन पत्र के साथ जमा करनी होगी। उम्मीदवार के साथ केवल चार ही नामांकन स्थल पर आएंगे। इसके अलावा किसी अन्य को आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

चुनाव तक यात्रियों के लिए बसों में सफर करना होगा मुश्किल

संवाददाता–देवरिया। लोकसभा चुनाव के लिए अनुबंधित बसों के भी अधिग्रहण की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में निगम के अधिकारियों के पास आदेश भी चुका है। जरूरत पड़ने पर इन बसों को भी चुनावी ड्यूटी में भेजा जा सकता है। ऐसे में डिपो की बसों से प्रतिदिन यात्रा करने वाले 28 से 30 हजार यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ेगी। इस दौरान जिले के लोगों को कहीं आना–जाना होगा तो दस बार सोचना पड़ेगा। जनपद में सातवें चरण में एक जून को मतदान होना है। इसकी अधिसूचना सात मई को जारी होगी। नामांकन 14 मई तक किया जा सकेगा। शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से मतदान संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय से जुड़े अधिकारी व कर्मचारी दिन रात एक इसकी तैयारियों में जुटे हुए हैं। पोलिंग पार्टियों को बूथों पर पहुंचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था अभी से की जा रही है। प्रदेश के अन्य जगहों कई चरणों में हो रहे मतदान के लिए पहले चरण से ही देवरिया डिपो की 38 बसों को चुनाव ड्यूटी में लगा दिया गया है। निर्वाचन आयोग की ओर से 30 और अच्छी कंडीशन वाली बसों की मांग की गई है, हालांकि, निगम की बसों की संख्या कम होने और अधिकांश बसों के 10 लाख किमी से अधिक चल जाने से कई बसें पुरानी हो चुकी हैं। इसमें गर्मी के मौसम में तकनीकी खराबी आने की आशंका ज्यादा है। ऐसे में बसों का प्रबंध करने में रोडवेज के अधिकारियों के सामने कठिन चुनौती उत्पन्न गई है।

रोडवेज के अधिकारियों ने अगले माह उत्पन्न होने जा रही समस्या के समाधान के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं बनाई जा रही है। 30 बसों के पहले ही बेड़े से बाहर चले जाने से दिल्ली रूट पर संचालन बंद कर दिया गया है। कानपुर पांच व लखनऊ रूट पर चार, वाराणसी व प्रयागराज के लिए एक–एक बसें भेजी जा रही हैं। 30 और बसों की मांग आ जाने के बाद शेष बची निगम की बसों में से ही मरम्मत कर भेजने की तैयारी है। इधर, अनुबंधित बसों को भी चुनाव ड्यूटी में लगाए जाने के आदेश से लोकल रूटों पर दिक्कतें ज्यादा बढ़ेंगी। डिपो के वरिष्ठ केंद्र प्रभारी राकेश पति त्रिपाठी ने बताया कि बसों की कमी के चलते दिल्ली रूट पर पहले ही सेवा बंद कर दी गई है। अन्य बसों के भी चले जाने से कानपुर, लखनऊ, बनारस, प्रयागराज जाने वाले यात्रियों को ट्रेन से यात्रा या खुद वाहन का इंतजाम करना होगा। बसों के चुनाव कराकर वापस आने पर ही पुनरू संचालन व्यवस्था पूर्ववत हो पाएगी। देवरिया डिपो में निगम की 67 एवं अनुबंधित 129 बसें हैं। सामान्य दिनों में हर दिन इन बसों से 28 से 30 हजार यात्री टिकट कटाकर यात्रा करते हैं। निगम की आय भी प्रतिदिन 20 से 22 लाख रुपये के बीच औसतन रहती है। चुनाव में बसों को जाने पर निगम को घाटा नहीं बल्कि यह उसके लिए फायदे का ही सौदा है। आयोग की ओर से एक दिन का बसों का किराया 27 हजार रुपये मिलेगा। दिल्ली रूट पर पहले ही बस बंद कर दी गई है। वहां जाने वालों को कई जगह बस बदलकर जाना पड़ रहा है। अनुबंधित बसें भी नहीं चलाएंगे तो यात्री यात्रा कैसे करेंगे। निगम को यात्री हित में वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए।

धनंजय कुशवाहा, यात्री ने कहा कि रोडवेज परिसर में पहले ही बसें कम हो गई हैं। पिछले 15 दिनों से यात्रियों को परेशानी हो रही है। चुनाव भी जरूरी है, लेकिन यात्रियों को परेशानी न हो। परिवहन निगम को इसका ध्यान रखना चाहिए। –मो. इरफान, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने कहा कि अनुबंधित बसों को भी चुनाव ड्यूटी में लगाया जाएगा। इस संबंध ा में आयोग की ओर से सूचित कर दिया गया है। इस संबंध में अनुबंधि ात बस स्वामियों को बता दिया गया है। पहले ही 38 बसें बाहर चली गई हैं। और बसों की मांग की गई है। अनुबंधित बसों का भी अधिग्रहण कर लिए जाने से यात्रियों को दिक्कत होना स्वाभाविक है। आशुतोष शुक्ला, एआरटीओ ने कहा कि चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग की ओर से वाहनों की मांग पर इसका इंतजाम किया जा रहा है। वाहन स्वामियों को अधिग्रहण का नोटिस उनके घर भेजा जा रहा है। अनुबंधि ात बस स्वामियों को भी नोटिस जा रहा है। जरूरत पड़ने पर इन बसों को भी चुनाव ड्यूटी में लगाया जाएगा।

एक कमरे में चलती है सबसे ज्यादा लेनदेन वाली शाखा

संवाददाता–गोंडा। जिला मुख्यालय पर प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की एक ऐसी शाखा है कि जिसकी क्षेत्रीय कार्यालय से लेकर बैंक के मुख्यालय तक को नाज है। इसके बाद भी बैंक की सेमरा शाखा सिर्फ एक कमरे में चल रही है। हम बात कर रहे हैं। बैंक की इस शाखा में बीते वर्ष 170 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। जगह की कमी से ग्राहकों को शाखा में काफी दिक्कत होती है। इसकी शिकायत कई बार बैंक के आला अफसरों से की जा चुकी है। उधर, बैंक के वरिष्ठ अफसरों का कहना है कि इस संबंध ा में कवायद चल रही है।

जिला मुख्यालय पर स्थित प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की सेमरा शाखा आजकल अधिकारियों के नजर में है। इस शाखा में बीते साल में सबसे ज्यादा लेन करके अपना झंडा बुलंद किया। इस शाखा का कुल जमा 121 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। जबकि यहां एडवांस के रूप में 50 करोड़ बताए जा रहे हैं। बैंक शाखा में करीब 16000 खाते हैं। बेहतर कार्य पर यहां के शाखा प्रबंधक संजीव श्रीवास्तव को पदोन्नति भी दी गई थी। खाता ध ाारकों की मानें तो बैंक शाखा सिर्फ एक कमरे में चल रही है। ऐसे में जमा–निकासी करने के लिए आने वाले ग्राहकों को काफी दिक्कत होती है। ग्राहकों ने कई बार बैंक के उच्च अधिकारियों से इस शाखा के भवन बेहतर बनाने की मांग की। प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक की नवाबगंज शाखा पिछले साल के लेनदेन में दूसरे स्थान पर है जबकि कटरा भोगचंद शाखा ने रीजन में तीसरा स्थान हासिल किया। प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक गुप्ता ने बताया कि रीजन में सेमरा ने सबसे बेहतर काम किया है। इस शाखा के लिए भवन का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। मंजूरी मिलते ही इसको अमली जामा पहनाया जाएगा।

ट्रेन से कटकर अज्ञात युवक की मौत

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–बलरामपुर रेलवे ट्रैक पर पारासराय के पास अज्ञात युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गयी। प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि सोमवार सुबह रेलवे में क्षत–विक्षत शव देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने काफी कोशिश की लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सड़क दुर्घटना में घायल युवक की हालत नाजुकरू दूसरी ओर सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पूजाराम पुत्र अजय कुमार निवासी ग्राम तेलियानी कानूनगो रविवार रात बाइक से पड़ोस के अनिल कुमार व झग्गर नाम के दो बच्चों को बिठाकर खरगूपुर रोड से बड़की पंडरी गांव में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में सामने से आ रही कार से टकराकर जमीन पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। वही पीछे की सीट पर बैठे दोनों बच्चे मामूली चोटिल है। गंभीर रूप से घायल पूजा राम को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देख सुबह मेडिकल कॉलेज लखनऊ के लिए रेफर कर दिया।

उमेश अध्यक्ष और राजेंद्र मंत्री चुने गए

संवाददाता–गोंडा। यूपी रोडवेज इंप्लाइज यूनियन गोंडा डिपो की ट्रैफिक शाखा का चुनाव सोमवार को आरके दूबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। चुनाव के देखरेख की जिम्मेदारी क्षेत्रीय संयुक्त मंत्री श्याम सुंदर राय ने निभाई। गहमागहमी के बीच हुए चुनाव में उमेश कुमार अध यक्ष और राजेंद्र सिंह मंत्री चुने गए।

यूपी रोडवेज इंप्लाइज यूनियन गोंडा डिपो की ट्रैफिक शाखा के चुनाव को लेकर कर्मचारियों के खूब उत्साह देखने को मिला।

इस दौरान शिवपाल सिंह व अभिषेक पटेल उपाध्यक्ष, अवनीश यादव संगठन मंत्री, खेमराज व राकेश कुमार संयुक्त मंत्री, ज्ञानेंद्र सिंह कोषाध्यक्ष चुने गए। वहीं, कार्यकारिणी सदस्यों में आरके दुबे, राघव राम पांडे ,प्रमोद श्रीवास्तव ,अतुल कुमार मिश्रा ,विनय त्रिपाठी, उग्रसेन शर्मा, पवन मिश्रा, विनय कुमार ,विशाल गुप्ता ,सुधाकर ठाकुर नामित हुए। नवनिर्वाचित पदाधि ाकारियों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

डीआईजी ने हिस्ट्रीशीटरों पर निगहबानी की दी हिदायत

संवाददाता–बहराइच। देवीपाटन मंडल डीआईजी अमरेन्द्र प्रसाद सिंह ने देहात कोतवाली का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने लोकसभा चुनावों को दृष्टिगत रख हिस्ट्रीशीटरो पर गहन निगहबानी की हिदायत दी। उन्होंने अभिलेखों के रख–रखाव, शस्त्रागार, मेस आदि का रख–रखाव परखा। महिला हेल्प डेस्क पर आने वाली फरियादों के निस्तारण की कार्यवाई देख आवश्यक हिदायतें दी। डीआईजी ने आकस्मिक निरीक्षण में परिसर का भ्रमण कर कोतवाली कार्यालय आदि का निरीक्षण करते हुए महिला हेल्प डेस्क पर सभी प्रार्थना पत्रों को रजिस्टर पर चढ़ाकर उन पर विधिवत कार्यवाई के उपरांत फीडबैक लेने के लिए कोतवाल बीके मिश्र को आदेशित किया गया। साथ ही महिला आगंतुकों के लिए पीने के पानी, शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित कराने को निर्देशित किया गया। मेस में साफ–सफाई संतोषजनक पाई गई। मेस में लगे मेन्यू को अपडेट कर कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने को निर्देशित किया। लंबित गंभीर अपराधों में त्वरित खुलासे को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने अस्त्र–शस्त्र व अन्य सरकारी सामानों की साफ– सफाई का निरीक्षण किया गया। शस्त्रों की साफ– सफाई संतोषजनक पायी गई।

सरकारी सम्पत्ति सूची के अनुसार सभी सामानों का मिलान कराया गया। जिन सरकारी संपत्ति का चार्ज नहीं हुआ। उनका सम्बंधित से चार्ज दिलाने को कोतवाल को निर्देशित किया गया। कार्यालय में अभिलेखों के अवलोकन में काफी कमियां पाई गई। जिनकी एक माह की भीतर पूर्ति कराए जाने को कोतवाल व हेड मोहरिर को निर्देशित किया। इस अवसर पर एएसपी सिटी रामानंद प्रसाद कुशवाहा, एएसपी ग्रामीण डॉ. पवित्र मोहन त्रिपाठी, सीओ सिटी राजीव कुमार सिसौदिया, नगर कोतवाल मनोज कुमार पांडेय, दरगाह एसएचओ हरेन्द्र कुमार मिश्रा मौजूद रहे।

भाई ने हत्या कर शव गायब होने का कराया मुकदमा एक साल बाद जिंदा मिली बहनें सीता और गीता

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर के बेलघाट क्षेत्र में एक भाई ने अपनी दो बहनों की हत्या कर शव गायब करने का केस थाने में दर्ज कराया था। कोर्ट के आदेश पर गांव के ही एक युवक और उसके परिवार पर हत्या का केस लिखा गया। इस मामले में एक साल बाद दोनों बहनें जिंदा मिली हैं।

यही नहीं, घर से कुंवारी निकली दोनों बहनों ने अपने—अपने प्रेमियों से शादी भी रचा ली है और उनके एक—एक बच्चे भी हैं। पुलिस की पड़ताल से हुए इस खुलासे से हत्या में आरोपी बना परिवार भी अब राहत की सांस ले पा रहा है। बेलघाट त्रिलोकपुर निवासी अजय प्रजापति पुत्र श्यामसुंदर परिवार के साथ रोजगार के सिलसिले में प्रेमनगर नई दिल्ली में रहता था। अजय ने तहरीर में लिखा था कि तीन जनवरी 2023 को उसकी दो बहनें सीता और गीता पुत्री श्यामसुंदर गायब हो गईं। दोनों की गुमशुदगी दिल्ली में दर्ज कराई गई। इसी बीच पता चला कि गांव का जयनाथ मौर्या पुत्र सुरेश मौर्या का प्रेम संबंध बहनों से है। यह जानकर अजय गांव में स्थित अजय के घर पहुंचा।

अजय का आरोप था कि जयनाथ और उसके परिवार वालों ने मुझे धमकी देते हुए कहा कि जो हाल तुम्हारी बहनों का हुआ है, वही हाल तुम्हारा भी होगा। अजय प्रजापति जनवरी 2023 से ही जयनाथ पर केस दर्ज कराने के लिए दौड़ रहा था, लेकिन साक्ष्य के अभाव में पुलिस एफआईआर नहीं दर्ज कर रही थी। फिर जयनाथ ने कोर्ट से आदेश कराया तब, बेलघाट थाने में आठ जनवरी 2024 को केस दर्ज किया गया।

मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस पड़ताल की तो चार माह बाद पता चला कि दोनों युवतियां जीवित हैं। पुलिस ने दोनों युवतियों से मोबाइल से बात की। तब दोनों युवतियों ने बताया उनका प्रेम संबंध उत्तराखंड और हरियाणा के युवकों से हो गया था। इसलिए दोनों ने घर से भागकर उनसे शादी रचा ली थी। पुलिस के बुलाने पर दोनों युवतियां बच्चों के साथ सोमवार को बेलघाट थाने पहुंचीं। सीता (20) पुत्री श्यामसुंदर ने बताया कि हरियाणा के मैंगनी ठाकरान थाना भवानी खेड़ा निवासी विजेन्दर से शादी कर वह उसके साथ रह रही हूं। मेरी 5 महीने की एक बेटी है। मैं यहां खुशी—खुशी रह रही हूं। इसी तरह गीता (21) पुत्री श्यामसुंदर ने बताया कि उत्तराखंड जिला अल्मोड़ा ग्राम द्रमोली निवासी सुरेश राम से मेरी दोस्ती थी, घर से भागकर उससे शादी की। तभी से उनके साथ रह रही हूं। मेरी एक 6 माह की बेटी है। सीता और गीता ने बताया कि उन्हें जब पता चला कि उनके भाई ने बहनों की हत्या करके लाश गायब कर देने का केस लिखवाया है। तब दोनों बहने थाना बेलघाट गोरखपुर आकर जीवित होने की सूचना दिए हैं। ताकि कोई निर्दोष न फंसे।

मिट्टी लदी ट्राली पलटी, पूरी रात जलकर खाक हो गया चालक, सुबह हो सकी जानकारी

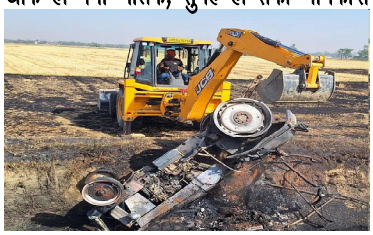

संवाददाता—गोरखपुर। ढेबरुआ थानाक्षेत्र के पचऊथ व गड़रखा के बीच सड़क के किनारे स्थित खाई में ट्रैक्टर—ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलटने से उसमें आग लग गई। गाड़ी चालक की जलकर मौत हो गई। घटना रविवार रात 12:30 बजे की है। सुबह जब लोगों को सूचना मिली तो तबतक ट्राली और शव दोनों जलकर खाक हो गया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रैक्टर—ट्रॉली से मिट्टी खनन में मिट्टी लादने का काम किया जा रहा था। पुलिस ने लाश के अवशेष को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के अकरा निवासी मायाराम (32) पुत्र दरसू ट्रैक्टर चालक था और शोहरतगढ़ थानाक्षेत्र के चौहट्टा निवासी शिवकुमार तिवारी का ट्रैक्टर चलाता था। रविवार को वह ट्रैक्टर—ट्रॉली को लेकर ढेबरुआ थानाक्षेत्र के गड़रखा में ग्राम प्रधान रविन्द्र शर्मा के द्वारा करवाए जा रहे मिट्टी खनन में मिट्टी ढोने के लिए आया हुआ था। रात लगभग साढ़े 12 बजे जब मिट्टी पलटकर पचऊथ व गड़रखा के बीच सड़क पर चढ़ा तो ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क के पश्चिम खाई में पलट गया, जिससे ट्रैक्टर में आग लग गई। मायाराम की दबने से मौत हो गई और आग में जलने से उसकी लाश का केवल अवशेष मात्र ही बचा। पुलिस ने लाश के अवशेष को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। परिजनों के मुताबिक मृतक की पत्नी को रविवार को ही एक पुत्र भी पैदा हुआ है। इस संबंध में ढेबरुआ थानाध्यक्ष शशांक कुमार सिंह ने बताया कि लाश के अवशेष को पीएम के लिए भेजा गया है।

पुलिस को थप्पड़ मारना पड़ा महंगा, युवक ने किया हंगामा, कार चालक ने दारोगा की बीच सड़क पर कर दी बेइज्जती

संवाददाता—गोरखपुर। सोशल मीडिया पर गोरखपुर जिले का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक कार चालक दारोगा पर भड़ास निकालते नजर आ रहा है। जानकारी करने पर पता चला कि दारोगा ने कार चालक को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद कार चालक ने बीच सड़क पर हंगामा शुरू कर दिया और दारोगा से थप्पड़ मारने की वजह पूछने लगा। कार चालक ने सबके सामने दारोगा की बेइज्जती कर दी। कार चालक के सवालों के आगे दारोगा खुद का बचाव करते नजर आए।

मामला गोरखपुर कोतवाली थाना क्षेत्र के आर्यनगर का है। जानकारी के अनुसार रविवार को बक्शीपुर रोड पर जाम की समस्या थी। यहीं पर एक व्यक्ति अपनी कार सड़क पर खड़ी करके कहीं चला गया। इसी दौरान यूपी पुलिस का एक दारोगा वहां पहुंचा और गाड़ी का चालान करने लगा, तभी कार का ड्राइवर वहां आ गया और गाड़ी की फोटो खींच रहे दारोगा से चालान नहीं करने की विनती करने लगा। लेकिन दारोगा ने उसका थप्पड़ जड़ दिया। दारोगा द्वारा थप्पड़ मारे जाने से युवक आग बबूला हो गया और दारोगा से पूछने लगा कि थप्पड़ क्यों मारा। आपको गाड़ी का चालान करना चाहिए था। इस बात को लेकर दारोगा और ड्राइवर के बीच काफी देर तक बहस होती रही। इसी दौरान किसी ने दोनों का वीडियो बना लिया। दारोगा ने जब उसे वीडियो बनाते देखा तो युवक को वीडियो बनाने से भी मना किया। अब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। गोरखपुर में रविवार को दारोगा और कार चालक के बीच जिस आर्यनगर में विवाद हुआ है। वहां अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। दरअसल आर्यनगर एक सकरा इलाका है। यहां से बक्शीपुर रोड पर बड़ी गाड़ियां आ जाने से यहां लोगों को घंटों जूझना पड़ता है। भीषण गर्मी में जाम के चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ता है।

गांव में घुसा तेंदुआ, कई लोगों को किया जख्मी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के हटवा गांव में सोमवार को एक तेंदुआ घुस आया। उसने गांव के छह से सात लोगों पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। तेंदुए के हमले में घायलों का इटवा सीएचसी में इलाज चल रहा है। तेंदुआ अभी भी गांव में छिपा हुआ है। वन विभाग की टीम उसे पकड़ने के लिए रेस्क्यू कर रही है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। तेंदुए को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। हटवा गांव के ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार की सुबह तेंदुआ गांव के दक्षिण तरफ से घुसा और घर के बरामदे में बैठे 80 वर्षीय उदयराज पर हमला कर दिया। चीख—पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर जुटे तो तेंदुआ भागने लगा। इस दौरान रास्ते में सामने आए सोनू(24), शरीफ(38), तौकीर(12), समीर (22) पर भी हमला करते हुए तेंदुआ एक घर में जाकर छिप गया। ग्रामीणों ने लाठी—डंडा लेकर तेंदुआ की घेराबंदी करने की कोशिश की तो तेंदुए ने उन पर भी हमला कर दिया। हालांकि इस दौरान ग्रामीणों ने लाठी डंडे से तेंदुए का मुकाबला करके उसे मारा पीटा। इसमें तेंदुए को हल्की चोट भी आई लेकिन वह काबू में नहीं आया और भागकर फिर से एक घर के बरामदे में जाकर छिप गया है।

आग लगने से पांच रिहायशी आवास जलकर राख

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के धनघटा थाना क्षेत्र के पचरा (डिहवा) गांव में सोमवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की चपेट में आकर पांच रिहायशी आवास जलकर राख हो गए। वहीं घर रखा सारा सामान जल कर नष्ट हो गया।

थाना क्षेत्र के पचरा (डिहवा) निवासी राजू पुत्र टिनटिन यादव के घर अज्ञात कारणों से आग लग गई। शोर सुन ग्रामीण इकट्ठा होकर जब तक आग बुझाने की कोशिश करते तब तक तेज हवाओं के बीच आग और भड़क गई। पड़ोस के सभाचन्द, दीपचन्द, सुभारत, रामलुटावन के घरों को भी अपने चपेट में ले लिया। आग लगने से आवास के साथ खाने—पीने का सामान, साइकिल, चारा काटने वाली मशीन, भूसा, दो पम्पसेट सहित सारा सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों के अथक परिश्रम के बाद आग बुझाने में सफलता मिली। सूचना देने के लगभग एक घन्टे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंच सकी। समाचार लिखे जाने तक कोई राजस्वकर्मी नहीं पहुंचा था।

भैंस नहलाने गए वृद्ध की डूबने से मौत

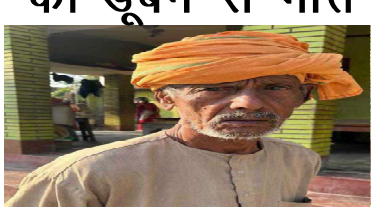

संवाददाता—गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के गोपालपुर निवासी भोरिक प्रसाद यादव (70) की सोमवार की सुबह भैंस नहलाते समय ताल में डूबने से मौत हो गई। परिजन सीएचसी बरही ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची झंगहा पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गोपालपुर निवासी भोरिक प्रसाद यादव रिटायर विद्युतकर्मी थे। सुबह 10 बजे के लगभग अपने गांव से दक्षिण बैठा गांव के पास गंगवरार ताल (दोहर) में भैंस नहला रहे थे। अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। शोर मचाने पर चरवाहा पानी में कूद कर उनको बाहर निकाला। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मौके पर पहुंचे गोबढ़ौर चौकी प्रभारी आलोक राय ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वह पांच पुत्र अमरनाथ, रामदीन, राम पुलिस, विश्वम्भर, अमरजीत के पिता थे। परिवारीजन व उनकी पत्नी सोना देवी का रो—रोकर बुरा हाल था। सूचना पाकर तहसील हल्का लेखपाल अखिलेश कुमार मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली।

लोकसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया शुरू, पहले दिन बिके 42 पर्चे

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर सीट पर लोकसभा चुनाव की नामांकन प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई। पहले दिन 42 पर्चे बिके लेकिन कोई नामांकन नहीं हुआ। भाजपा व सपा प्रत्याशी समेत 16 ने नामांकन पत्र खरीदे। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम महेन्द्र सिंह तंवर ने सोमवार को लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी की। इसी के साथ नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। 6 मई तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। सात को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 9 मई को नामांकन पत्रों की नाम वापसी होगी। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन सिर्फ नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। नामांकन कोई नहीं हुआ। भाजपा व समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों ने 4—4 सेट में पर्चा खरीदा। शोषित समाज पार्टी के लोटन प्रसाद, फूलन जनता पार्टी के अमित कुमार निषाद, प्रगतिशील समाज पार्टी धीरज श्रीवास्तव, सर्वजन आवाज पार्टी के कर्नल राजेंद्र यादव, मुन्नीलाल निषाद निर्दल, निर्दल मित्र सेन यादव, गणेश चौरसिया निर्दल, अरविन्द निषाद बेलघाट निर्दल, कलेन्द्र हरदो के राम अवतार निर्दल समेत 16 लोगों ने पर्चा खरीदा। कुल 42 सेट पर्चे बिके।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 29/2024

मोहम्मद आरिफ उम्र करीब 44 वर्ष पुत्र स्व0 जमीर अहमद निवासी ग्रा0 बर्डपुर नं0—10 टोला शिवकोट तप्पा घोष पोस्ट महापाली परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

—प्रार्थी/आवेदक

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 03—05—2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 05 के 03 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 128/2024

अदालत—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

दुर्गेशचन्द्र आदि

बनाम

देवेन्द्रनाथ आदि

1. देवेन्द्रनाथ पुत्र श्यामनरायन लाल 2. श्रीमती उषा देवी पत्नी हरेन्द्रनाथ 3. श्रीमती उषा देवी पत्नी सुरेन्द्रनाथ 4. प्रीती श्रीवास्तव 5. सोनी पुत्रीगण हरेन्द्रनाथ 6. प्रत्यन्ज कुमार पुत्र हरेन्द्रनाथ 7. अभिषेक कुमार 8. आदित्य कुमार पुत्रगण सुरेन्द्रनाथ साकिन मीतनपुर तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला—बस्ती हाल मुकाम मो0 पुराना डाकखाना पो0 गांधीनगर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 10—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 51/2024

सूर्यनरायन पंकज पाठक—सायल

सूर्यनरायन पंकज पाठक उम्र 45 वर्ष पुत्र स्व0 वृद्धिसागर निवासी उकड़ा पोस्ट भानपुर तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 07—05—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 07—05—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 456/2023

रामजनक—सायल

1. रामजनक पुत्र रामफेर आयु लगभग 41 वर्ष निवासी ग्राम हलुआ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 14—05—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 14—05—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 285/2023

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

प्रहलाद आदि

बनाम

कमला देवी आदि

1. कमला देवी पत्नी दीनानाथ 2. रामसजीवन 3. छोटेलाल 4. उदयभान पुत्रगण दीनानाथ साकिनान मौजा नेवारी तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 02—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 981/2022

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

त्रिभुवन

बनाम

किशोरे आदि

1. किशोरे उम्र करीब 50 साल पुत्र रामदुलारे 2. ओम प्रकाश उम्र 45 साल 3. आशीष उम्र 36 साल पुत्रगण आज्ञाराम

—प्रतिवदीगण प्रथम वर्ग

4. प्रेमा देवी उम्र 52 साल पत्नी रामलखन 5. साधु सरन उम्र 30 साल 6. रामसरन उम्र 35 साल पुत्रगण राम निहोर 7. राधेश्याम उम्र 45 साल पुत्र राम अछैबर

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

साकिनान मौजा औढ़जंगल टोला गैड़खारी तप्पा कोठिला परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस

(धारा—63 अनुसूची—5 प्रपत्र सं0—1)

न्यायालय— श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला—बस्ती

परिवाद सं0 344/11/2023

थाना—कप्तानगंज

जिला—बस्ती

श्रीमती संगीता देवी

बनाम

पाटन निषाद

तारीख पेशी 13—05—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 जा0फौ0

विपक्षी—पाटन निषाद उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र रामसागर साकिन मौजा टीकाजोत थाना परसरामपुर जिला बस्ती

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 05 मास के 13 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर

अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 203/2022

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

अशोक सिंह आदि

बनाम

सुरेश सिंह आदि

1. सुरेश सिंह पुत्र झारकण्डेय सिंह

—प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. बंशीधर पुत्र सहदेव 3. चक्रधर सिंह 4. शक्तिधर सिंह पुत्रगण मुरलीधर सिंह 5. मनोहर सिंह पुत्र अर्जुन सिंह 6. शेरबहादुर सिंह पुत्र गम्भीर सिंह 7. सिंगारी देवी पत्नी धर्मराज सिंह 8. उत्तम सिंह पुत्र देवकी सिंह साकिनान मौजा छतौना तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला—बस्ती

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 27/2024

श्रीमती आरती उम्र करीब 34 वर्ष पत्नी अमित निवासी ग्राम औडहीकला तप्पा ढेवरूआ परगना नौगढ़ पो0 औडहीकला तहसील शोहरतगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर

—प्रार्थी/आवेदक

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 17—05—2024

अपने को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 05 के 17 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com